आज का विचार

साथी या सहयोगी ही साथ देने को तैया नहीं हो तब विरोधी मौके का फायदा उठायेंगे कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त बन जाय। दोनों में दारा तो बढ़ ही जाएगी। **(शिवकुमार त्रिवेदी चिंतन सरिता)**

दैनिक
लोकजीवन

महाराष्ट्र : अनिर्णय की स्थिति

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम 24 अक्टूबर को ही आ गये और भाजपा-शिवसेना गठबंधन को स्पष्ट बहुमत भी मिल गया लेकिन चुनाव परिणामों ने दीपावली के उत्साह को ही फीका कर दिया जब सहयोगी शिवसेना ने गठबंधन के वादे का हवाला देते हुए बराबरी का अधिकार जताकर अपनी महत्वाकांक्षा को पूरी करने के लिए यहीं अवसर ठीक माना जबकि 2014 के मुकाबले भाजपा को 17 सीटों का नुकसान हुआ, पिछली बार भाजपा के पास 122 सीटें थी तब भाजपा शिव सेना ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। तब भी काफी तनातनी के बाद कहीं जाकर सरकार बनी थी, तब से शिव सेना तीन दशक में अधिक की साथी होने के बावजूद आक्रामक तेवर अपनाती रहती है केन्द्र में भागीदार के साथ राज्य व स्थानीय निकाय ने भी दोनों दलों में गठबंधन है लेकिन स्थिति बजाय गठबंधन के सौदेबाजी पर ही अटकी रहती है। शिव सेना बार-बार यह साबित करती रही है कि वह साथी नहीं सौदेबाज है इसलिए मलाईदार विभागों से लेकर पद बंटवारे के लिए ब्लैकमेल पर उतरने में देर नहीं करती और अभी भी यहीं हो रहा है कि उसके खाते में 56 विधायक है लेकिन आधे समय मुख्यमंत्री पद की उम्मीद में मौके की तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद गठबंधन की विजय के लिए उद्धव ठाकरे का आभार व्यकत किया तथा कहा कि भाजपा-शव सेना गठबंधन को बहुमत मिलाहै और गठबंधन की सरकार बनायेगा भाजपा-शिवसेना दोनों के विधायक दल के नेता का चुनाव हो चुका है परन्तु आपस में बात नहीं बन रही है चूंकि शिव सेना कैसे भी मुख्यमंत्री पद चाहती है ऐसे में राकपा कांग्रेस भी कोशिश में है कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए शिवसेना को आगे किया जा सकता है शिवसेना प्रमुख भी कह चुके हैं कि उनके पास सभी विकल्प खुले है संख्या बल की दृष्टि से कांग्रेस राकपा शिवसेना मिलकर बहुमत का आंकड़ा पूरा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री फडनवीस आश्वस्त है कि वे ही मुख्यमंत्री बनेंगे, वहीं शिव सेना भाजपा के अलावा राकपा के सम्पर्क में है राकपा साफ कह चुकी कि उसे विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है और शिव सेना को समर्थन नहीं देगी। ऐसे हालात में संभावना बन रही है कि राष्ट्रपति शासन लागू हो जाए। आवश्यकता इस बात की है कि भाजपा शिव सेना खींचतान की बजाय सहमति की ओर कदम बढ़ाकर अनिर्णय की स्थिति समाप्त करें।

कड़वी घूंट -सूरज

हनुमान मंदिर विकास समिति की

देश व दुनिया में महापुरूषों को किसी सीमा में नहीं बांधा जाता और नहीं कोई उन पर एकाधिकार ही कायम कर सकता है। क्योंकि महापुरूष बनते ही तभी है जब संकीर्णता से ऊपर उठ कर देश समाज और मानवता के लिए अपने को समर्पित कर दे। तब हर व्यक्ति को हय महसूस होता है कि वे हमारे है और हमोर लिए ही उन्होंने अमूल्य योगदान किया। इसी कारण महापुरूषों पर सभी का समान रूप से अधिकार स्वतः बन जाता है। विपरीत इसके महापुरूषों को परिवार समाज या धर्म की बेड़ियों में बांधकर सिर्फ अपना ही मानने वाले अपना पहला हक मानते है जब हक सभी का है तो किसी को कैसे रोक सकते है कि नहीं ये महापुरूष तो हमारे थे। ड़ीसलिए आप इन्हें नहीं पूज सकते बटवारे पर टिप्पणी भी संकेत कर देती है। इस क्रम में मोदी सरकार द्वारा महात्मा गांधी व सरदार पटेल के गुणगान कर नेता था योजनाये कार्यक्रम बनाने पर कांग्रेस महासचिव ने कहा कि इनके पास महापुरूष नहीं है इसीलिए गांधी पटेल को अपना रहे हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि सरदार पटेल को विरोधी भी पूज रहे हैं। यह अच्छी बात है कि पक्ष-विपक्ष दोनों ही अलग-अलग ही सही पूज तो रहे है। अब यह आप जानों कि हमारे पूर्वज महान हुए और महानता ही तो कारण है कि सभी के वन्दनीय हो गये है। नहीं तो कौन किसे याद करता है।

महाराष्ट्र में शरद पवार की सलाह को मान लेंगी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी

लोकजीवन न्यूज नेटवर्क, मुंबई

महाराष्ट्र में सरकार बनने की संभावना पर आखिरी निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लेना है। सोनिया गांधी इस संदर्भ में एनसीपी के नेता शरद पवार द्वारा तैयार की गई डिजाइन को मान लेंगी। हालांकि कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में चुनाव के बाद सरकार बनने की संभावना पर खामोश है। कांग्रेस बहुत फूंक.फूंककर कदम रख रही है। कांग्रेस पार्टी की संस्कृति के अनुरुप ही शरद पवार भी बिना शोर मचाए अपना पत्ता फेंक रहे हैं। गुरुवार को एनसीपी नेता से शिवसेना के संजय राऊत आकर मिले थे। शुक्रवार को उन्होंने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से टेलीफोन पर बात की है। इधर नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पृथ्वी राज चौहान समेत अन्य कांग्रेस के नेताओं से चर्चा की है। समझा जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्य के ताजा राजनीतिक घटनाक्रमए सरकार बनने की संभावनाए एनसीपी के सहयोग से शिवसेना के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना में कांग्रेस की भूमिका समेत तमाम पहलुओं पर चर्चा की है। हालांकि अभी कांग्रेस और एनसीपी दोनों ही पार्टियों के नेता महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव बाद बनने वाली सरकार के स्वरुप को लेकर कोई बात नहीं कर रहे हैं।

भाजपा भी चुप

महाराष्ट्र में सरकार बनाने की संभावना पर अब भाजपा भी फूंक.फूंककर कदम रख रही है। पार्टी के नेता कम बोल रहे हैं। निवर्तमान मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी अब हवा का रुख देखकर चल रहे हैं। महाराष्ट्र भाजपा के एक नेता का कहना है कि पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह और कार्यवाहक अध्यक्ष जेपी नड्डा ही अब इस बारे में कोई निर्णय लेंगे। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में सरकार बनने की स्थिति साफहोने में अभी कुछ समय लगेगा।

क्या शिवसेना महाराष्ट्र में बना सकती है सरकार

शिवसेना महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का पद चाहती है। भाजपा अभी इसके लिए तैयार नहीं है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा नेताओं ने कुछ प्रस्ताव रखे हैंए लेकिन शिवसेना 50.50 के फार्मूले पर अड़ी है। दूसरी तरफ शिवसेना के नेता संजय राऊतए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे अपने रुख पर कायम हैं। भाजपा के महाराष्ट्र से जुड़े नेता इसे शिवसेना की दबाव की राजनीति करार दे रहे हैं। भाजपा को अब भी भरोसा है कि महाराष्ट्र में भाजपा.शिवसेना सरकार बनेगी। महाराष्ट्र के निवर्तमान मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस लगातार दावा कर रहे हैं कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री वही बनेंगे। फडणवीस को भाजपा का विधायक दल का नेता चुना जा चुका है।

भाजपा की इस तरह की उम्मीदों के बीच शिवसेना ने अन्य विकल्प अजमाने की पहले धमकी दी और अब काम करना शुरू कर दिया है। शरद पवारए उद्धव ठाकरे के बीच में फोन वार्ता को इसी नजरिए से देखा जा रहा है। राजनीति के हलके में शरद पवार की पार्टी एनसीपी को शिवसेना के साथ जाने में कोई परहेज नहीं है।

क्या राष्ट्रपति शासन की बात करना विधायकों को धमकी है-संजय राउत

मुंबई । महाराष्ट्र में 24 अक्त ूबर को चुनाव परिणाम आए थे लेकिन आठ दिन बाद भी सरकार गठन को लेकर तस्वीर साफनहीं हो पाई है। भाजपा और शिवसेना अपनी.अपनी मांगों को लेकर अड़े हैं। दोनों ही पार्टियों के नेता एक.दूसरे पर बयानों के तीर छोड़ रहे हैं। इसी बीच शिवसेना ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ;एनसीपीद्ध के नेता से मुलाकात की। जिसे लेकर आशंका जताई जा रही है कि शिवसेना कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार बनाने की कोशिश कर रही है। वहीं भाजपा नेता ने जल्द सरकार गठन न होने की सूरत में राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की बात कही। जिसपर शनिवार को शिवसेना के प्रवक्त ा और राज्यसभा सांसद संजय राउस ने अपनी प्रति या दी। उन्होंने कहाए श्सत्ताधारी पार्टी के एक नेता कह रहे हैं कि यदि सरकार गठन में देरी होगी तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है। क्या यह चुने हुए विधायकों के लिए धमकी हैघ्श्शरद पवार से मुलाकात को लेकर राउत ने कहा कि भाजपा शिवसेना को छोड़कर सब एक.दूसरे से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहाए श्महाराष्ट्र में जिस तरह की परिस्थिति पैदा हो गई है उसमें सभी राजनातिक पार्टियां एक.दूसरे से बात कर रही हैं। केवल शिवसेना.भाजपा बात नहीं कर रही हैं।श

बीजेपी ने बुक कराया शपथ ग्रहण के लिए स्टेडियम

महाराष्ट्र में चुनाव परिणाम आने के छह दिन बाद भी सरकार बनाने को लेकर पशोपेश की स्थिति कायम है। भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना को मिले स्पष्ट जानदेश के बावजूद मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही रार बरकरार है। शिवसेना बीजेपी को 50.50 फॉर्मूले की याद दिला रही हैए लेकिन बीजेपी की ओर से इसपर कोई खास तवज्जो नहीं दी जा रही है। इस सब के बीच बीजेपी महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त है। बीजेपी ने देवेंद्र फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह के लिए मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम को बुक भी कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिकए बीजेपी ने स्टेडियम को 5 नवंबर के लिए बुक किया है। भारतीय ि केट बोर्ड ;बीसीसीआईद्ध से इजाजत के बाद स्टेडियम शपथ ग्रहण के लिए बीजेपी को मिल सकेगा।

क्या है शिवसेना के पास विकल्प

शिवसेना महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा के अलावा एनसीपी और कांग्रेस के समर्थन पर निर्भर है। कांग्रेस को शिवसेना को सीधे समर्थन देने या शिवसेना के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने से परहेज हो सकता है। वहीं एनसीपी को कोई आपत्ति तुलना में कम होगी। ऐसे में शिवसेना.एनसीपी की सरकार को कांग्रेस पार्टी बाहर से मुद्दों पर आधारित समर्थन देकर सरकार बनवाने की संभावना पर राजी हो सकती है। ऐसा होने पर शिवसेना की राजनीति में न केवल जोरदार इंट्री हो जाएगीए बल्कि उससे अन्य दलों का छुआछूत भी कुछ हद तक खत्म हो जाएगा। इस तरह से सांप मर जाए और लाठी भी न टूटे के मुहावरे की राजनीति का प्रयोग देखने को मिल सकता है।

शरद पवार की सलाह क्यों होगी अहम

एनसीपी के शरद पवार एक तरह से राजनीति की अंतिम पारी खेल रहे हैं। उम्र के आखिरी पड़ाव में पहुंचे शरद पवार पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को सलाह देते रहे हैं। पवार पूर्व कांग्रेसी हैं और एनसीपी के कांग्रेस के साथ आने के बाद उन्होंने सहयोगी दल के तौर पर कभी कोई परेशानी नहीं खड़ी की। सहयोगी दल ने पार्टी हित ध्यान में रखकर धर्म निभाया। शरद पवार बड़े मराठा नेता हैं। कुछ महीने पहले कहा जा रहा था कि वह एनसीपी का कांग्रेस पार्टी में विलय पर विचार कर रहे हैं। वैसे भी लोकसभा और राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी को सहयोगियों की जरूरत है।

भद्दी दीवारें खिल उठी आकर्षक चित्रकारी से

लोकजीवन न्यूज सर्विस, गुलाबपुरा

स्थानीय गांधी विद्यालय की दीवार, बावड़ी चौराहा स्थित राजकीय बालिका विद्यालय की दीवार, मोक्षधाम की दीवार एवं अन्य कई सार्वजनिक दीवारे जो पहले कई विज्ञापनों , पोस्टरों से अटी रहती थी एवं भद्दी दिखाई देती थी उन पर नगर पालिका द्वारा चित्रकारी करा आकर्षक बना दिया गया है। पालिकाध्यक्ष धनराज गुर्जर ने बताया कि आमजन को स्वच्छता, बेटी बचाओ, शिक्षा, पर्यावरण सरक्षण, राजस्थानी संस्कृति इत्यादि संदेश देते हुए दीवारों पर चित्रकारी कराई गई है जिससे कई प्रेरणास्पद जनहित के संदेश चित्रकारी के माध्यम से दिए गए हैं।

मिया मुशाजी (रजि.) हर समस्या का समाधान, नौकरी, कारोबार, गृहक्लेश, पति-पत्नी में अनबन, प्रेमविवाह, संतानदु:ख, सौतन, दुश्मन छुटकारा कर्जमुक्ति, कोर्टकेस, प्यार में धोखा खाये एक बार अवश्य मिलें- भीलवाड़ा, बड़ला चौराहा, जम-जम रेस्टोरेंटे के पास भीलवाड़ा : 77421-43969, 96947-97492

राज. स्पिन में दीपावली स्नेह मिलन कल

गुलाबपुरा। राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल मयूर में रविवार को दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया जाएगा। मिल के विधि महाप्रबंधक पवन गुप्ता ने बताया कि रविवार शाम 7.30 बजे मिल स्टाफ क्लब परिसर में आयोजित होने वाले दीपावली स्नेह मिलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी होगा।

कोली समाज विकास ट्रस्ट की बैठक आज

भीलवाड़ा। कोली समाज विकास ट्रस्ट समाज के समस्त शिक्षक सदस्यो (सरकारी, गैर सरकारी) की बैठक बड़लेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शनिवार को शाम 8. 30 बजे किया जाएगा । समाज के मुरलीधर लोरवाडिया ने बताया कि बैठक में 1 कक्षा 10 वी हेतु निःशुल्क कोचिंग एवं वाहन लाइसेंस शिविर की रूपरेखा, 2 दिसम्बर माह में कौन बनेगा अंबडेकर प्रतियोगिता, पुस्तकालय एवं अध्ययन केंद्र की शुरुआत करने, वीरांगना झलकारी बाई 22 नवम्बर जन्मोत्सव पर विचार विमर्श कर निर्णय लिये जायेंगे।

रंजन पोलिस्टर्स लिमिटेड
कॉरपोरेट आइडेंटिटी नंबर (सीआईएन): L24302RJ1990PLC005560
पंजीकृत कार्यालयः 11-12TH, की.मी.स्टोन, चित्तौड़गढ़रोड, गुवारड़ी, भीलवाड़ा - 311001(राजस्थान), इंडिया, फ़ोनः 01482-320925,26,27,249095,
ई-मेलः ranjanpoly@gmail.com, वेबसाइटः www.ranjanpolysters.com

सूचना

सूचना सेबी(सूचियन दायित्व एवं उद्घाटन अपेक्षा) विनिमयन 29 एवं 47 केअनुपालना में एतदद्वारा सूचित किया जाता हे की कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक गुरूवार, 14 नवंबर, 2019 को कंपनी के पंजीकृत कार्यालय 11-12TH कि. मी. स्टोन, चित्तौड़गढ़रोड, गुवारड़ी, भीलवाड़ा -311001(राजस्थान) में शाम 4 बजे, 30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही एवं अर्द्धवार्षिक वित्तीय परिणामों की अनुशंसा पर विचार अनुमोदन करने हेतु आयोजित की जाएगी। निवेशक कंपनी की वेबसाइट (www.ranjanpolysters.com) पर मंडल की बैठक का विवरण देख सकतेहै।

Sd/-
दिनांकः 02.11.2019
स्थानः भीलवाड़ा

बोर्ड की आज्ञानुसार
रंजन पोलिस्टर्स लिमिटेड के द्वारा
(चित्रा नराणीवाल)
कंपनी सचिव